Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day International Conference on Frontiers in Industrial and Applied Mathematics (FIAM-2022)

Newspaper: Amar Ujala **Date: 23-12-2022**

हर क्षेत्र में गणितीय टूल्स का महत्व : कुलपति

हकेंवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ, देश-विदेश के 100 से अधिक विशेषज्ञ कर रहे प्रतिभाग

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरुआत हुई। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, केंद्र सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों की सराहनाकी। उन्होंने कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है।

जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। आयोजन

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की स्मारिका जारी करते मुख्यातिथि व शिक्षक। संवाद

में मुख्यातिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केआर परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्व बहुत अधिक है।

जर्मनी से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. एसी बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया और इसके लिए योजनाबद्ध ढंग से शोध व नवाचार पर जोर दिया। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया।

जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. एके यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार की सराहना की।

जैव रसायन विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को मिली 48 लाख की अनुदान राशि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन मौर्या को 48 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उन्हें यह राशि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से अंतर्गर्भाशय अस्थानता या नियमित महामारी में आने वाली समस्याओं पर शोध करने के लिए प्राप्त हुई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. पवन मौर्या की इस उपलब्धि पर उनको बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में निरंतर प्रयोग करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने भी प्रो. पवन मौर्या को उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रो. पवन मौर्या ने बताया कि काफी बार महिलाओं के अंडाशय के आसपास उत्तक इक्ट्ठे हो जाते है। इस कारण महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता के साथ ही बच्चेदानी का खराब होना या समय पर बच्चे न होना जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके पास इसके बाद शल्य चिकित्सा या ऑपरेशन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है। उन्होंने बताया कि उनका शोध महिलाओं की इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर निदान करने में सहायक होगा। प्रो. मौर्या ने बताया कि भारत में इस समय लगभग 35 प्रतिशत महिलाएं इस प्रकार की समस्याओं का सामना कर रही हैं। इसके साथ ही इस समस्या से संबंधित महिलाओं की संख्या में लगातार वृद्धि भी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण ना केवल महिलाओं के व्यवहार में परिवर्तन आता है। वरन वह मातृत्व सुख से भी वंचित रह जाती है साथ ही उसको असहनीय पीड़ा से गुजरना पड़ता है। महिलाओं को इस समस्या के कारण काफी बार अन्य दूसरी समस्यायें भी उत्पन्न हो जाती है। उनका शोध इस समस्या का आरंभ में ही पता लगाकर उसका निदान करने का कार्य करेगा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 23-12-2022**

आत्मनिर्भर भारत के लिए समाज उपयोगी शोध आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में फियाम 2022 दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की हुई शुरुआत, देश-विदेश के 100 से अधिक विशेषज्ञ करेंगे प्रतिभागिता

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में बीरवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रोफेसर मैथिलीशरण तथा प्रोफेसर केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्त्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों।

प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। प्रो. के. आर. परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्त्व बहुत अधिक है। गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. ए.के. यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की स्मारिका जारी करते मुख्य अतिथि व शिक्षकगण।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 23-12-2022**

आत्मनिर्भर भारत के लिए समाजोपयोगी शोध बहुत आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बृहस्पतिवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस की शुरुआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में

कुलपति ●

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रो. केहर सिंह ● सौ. हकेंवि

आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रो. मैथिलीशरण और प्रो. केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कान्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्त्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। इसलिए आज के समय में इसकी व्यावहारिक उपयोगिता सर्वाधिक है और इसमें उपलब्ध संभावनाओं का अधिकतम लाभ उठाना होगा। प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केआर परदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्त्व बहुत अधिक है। फियाम पिछले पांच वर्षों से गणित के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और इस बार हकेंवि में इस क्षेत्र से जुड़े विद्वान एकत्र हो रहे हैं। इसी क्रम में जर्मनी से आनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. एसी बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। फियाम के सचिव डा. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डा. पिंकी व डा. प्रीति ने किया और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 23-12-2022**

हकेंवि में फियाम-2022 दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस शुरू

आत्मनिर्भरता के लिए समाज उपयोगी शोध जरूर : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय गुरुवार को फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरूआत हुई। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शांति स्वरूप भटनागर अवार्डी प्रो. मैथिलीशरण तथा प्रो. केहर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञ, विशेषज्ञ प्रतिभागिता कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस

महेंद्रगढ़। अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की स्मारिका जारी करते मुख्यातिथि व अन्य।

के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में गणितीय टूल्स का महत्व हर क्षेत्र में देखने को मिलता है। जरूरत है कि इस दिशा में होने वाले प्रयास समाजोपयोगी व उससे संबंधित समस्याओं के निदान पर केंद्रित हों। कुलपति ने इस आयोजन को इस दिशा में जारी प्रयासों को बल प्रदान करने वाला बताया और कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता में समाजोपयोगी शोध की यही सोच निर्णायक भूमिका अदा करेगी। कुलपति ने इस आयोजन में सम्मिलित हुए विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। आयोजन में मुख्यातिथि के रूप में शामिल प्रो. मैथिलीशरण ने विभिन्न क्षेत्रों में गणित और उसके व्यावहारिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, अंतरिक्ष विज्ञान, मौसम विज्ञान, परिवहन आदि विभिन्न क्षेत्रों में गणित का प्रयोग देखने को मिलता है। इसलिए आज के समय में इसकी व्यावहारिक उपयोगिता सर्वाधिक है और इसमें उपलब्ध संभावनाओं का अधिकतम लाभ उठाना होगा। इसी क्रम में आयोजन के दूसरे मुख्य अतिथि प्रो. केहर सिंह ने विभिन्न स्तर पर जारी विकास और उससे संबंधित गतिविधियों में गणित के प्रयोग और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके बिना हमारे लिए किसी भी स्तर पर आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. केआर प्रदशनी ने कहा कि जीवन और समाज में गणित का महत्व बहुत अधिक है। इसी क्रम में जर्मनी से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े प्रो. एसी बेनम ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विभिन्न स्तर पर गणित के उपयोग व उपयोगिता को स्पष्ट किया और इसके लिए योजनाबद्ध ढंग से शोध व नवाचार पर जोर दिया।

100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे रहे

गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए बताया कि आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने दो दिनों तक चलने वाले इस आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर फियाम के सचिव डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने इस आयोजन और इसके पीछे के उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके पश्चात कांफ्रेंस की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. पिंकी व डॉ. प्रीति ने किया जबकि कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो. एके यादव ने किया और विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता के लिए प्रो. अनिल यादव, प्रो. फूल सिंह, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार और सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कपिल कुमार का आभार व्यक्त किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 24-12-2022**

हकेवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस समापन

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुक्रवार का समापन हो गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के समापन सत्र में मैसूरी यूनिवर्सिटी साईंस एंड तकनीक, अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपयोगी बताया और बच्चों में गणित के प्रति रूचि प्रारंभ से विकसित करने पर जोर दिया। साउथ एशिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में प्रोफेसर तथा कार्यकारी प्रधान डॉ. रंजन कुमार ने कहा कि हर्ष का विषय है कि कांफ्रेंस में कम्प्यूटेशनेल गणित पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि आने वाला समय इसी का है। मैसूरी यूनिवर्सिटी साईंस एंड तकनीक अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. ने कहा कि जिस तरह से वैदिक गणित में भविष्यवाणी संभव थी, उसी प्रकार से हम आज के समय भी तार्किक डाटा एकत्र करके भविष्यवाणी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मशीन लर्निंग, डाटा साईंस और डीप लर्निंग बिना गणित के संभव नहीं है। प्रो. संजय ने कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना होगी।

विश्वविद्यालय में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने कांफ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और बताया कि दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में कुल 148 पेपर प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि कांफ्रेंस में मिशिनगन यूनिवर्सिटी, जर्मनी विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की सहित देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के गणितज्ञों व विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। उन्होंने कहा कि कांफ्रेंस में 18 से ज्यादा सत्रों का आयोजन किया गया। जिनमें कम्प्यूटेशनल फल्यूड डाइनामिक, आप्रेशन रिसर्च, न्यूमेरिकल तकनीक, रिलायबिल्टी थ्योरी, डेटा साईंस, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्रिप्टोग्राफी, एडवांस स्केनिंग, प्रोब माइक्रो स्पोकिंग, आप्रेटर थ्योरी और सांख्कीय सहित तमाम विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-12-2022**

हकेंवि

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन, दो दिन 10 देशों के 100 से अधिक गणितज्ञों ने किए अनुभव साझा

तार्किक डाटा एकत्र करके कर सकते हैं भविष्यवाणी : प्रो. संजय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का समापन हो गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के समापन सत्र में मैसूरी यूनिवर्सिटी साइंस एंड तकनीक, अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपयोगी बताया और बच्चों में गणित के प्रति रुचि प्रारंभ से विकसित करने पर जोर दिया। साउथ एशिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में प्रोफेसर तथा कार्यकारी प्रधान डॉ. रंजन कुमार ने कहा कि हर्ष का विषय है कि कांफ्रेंस में कम्प्यूटेशनेल गणित पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। मैसूरी यूनिवर्सिटी साइंस एंड तकनीक अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. ने कहा कि जिस तरह से वैदिक गणित में भविष्यवाणी संभव थी, उसी प्रकार से हम आज के समय भी तार्किक डाटा एकत्र करके भविष्यवाणी कर सकते हैं। मशीन लर्निंग, डाटा साइंस और डीप लर्निंग बिना गणित के संभव नहीं है। प्रो. संजय ने कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावना होगी। विश्वविद्यालय में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने कांफ्रेंस के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और बताया कि दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में कुल 148 पेपर प्रस्तुत किए गए।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र के दौरान उपस्थित प्रतिभागी। संवाद

कांफ्रेंस में मिशिनगन यूनिवर्सिटी, जर्मनी विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की सहित देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के गणितज्ञों व विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। कांफ्रेंस में 18 से ज्यादा सत्रों का आयोजन किया गया।

फियाम का एक ही लक्ष्य है कि गणित को किस तरह से हर घर पहुंचाया जाए और किस तरह से गणित की एप्लीकेशन का प्रयोग समाज के कल्याण में किया जाए। कांफ्रेंस के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फूल सिंह ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-12-2022**

हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का हुआ समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में फ्रंटियर्स इन इंडस्ट्रीयल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स (फियाम)-2022 नामक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुक्रवार का समापन हो गया। राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कांफ्रेंस के समापन सत्र में मैसूरी यूनिवर्सिटी साईंस एंड तकनीक, अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस आयोजन में देश-विदेश के 100 से अधिक गणितज्ञों एवं विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, भारत सरकार व विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपयोगी बताया और बच्चों में गणित के प्रति रूचि प्रारंभ से विकसित करने पर जोर दिया। साउथ एशिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली में प्रोफेसर तथा कार्यकारी प्रधान डा. रंजन कुमार ने कहा कि हर्ष का विषय है कि कांफ्रेंस में कंप्यूटेशनेल गणित पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। मैसूरी यूनिवर्सिटी साइंस एंड तकनीक अमेरिका में प्रोफेसर संजय के. ने कहा कि हम आज के समय भी तार्किक डाटा एकत्र करके भविष्यवाणी कर सकते हैं।